राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–103/2023

समाज के लिए अच्छा व्यक्ति तैयार करना ही शिक्षा का उद्देश्य है–राज्यपाल

पटना, 19 मार्च, 2023 :– महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने ए०एन० कॉलेज, पटना के ऑडिटोरियम में आयोजित पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा हमारे समाज का दर्पण है। आज हम अपने बच्चों को जैसी शिक्षा दे रहे हैं, उसी के अनुरूप आनेवाला कल होगा। हमारे बच्चे क्या सोचते और करते हैं, कैसा बर्ताव करते हैं, यह हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि समाज के लिए अच्छा व्यक्ति तैयार करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। एक अच्छा व्यक्ति किसी भी क्षेत्र में बेहतर कर सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के विकास के लिए हम सभी को साथ मिलकर कार्य करना होगा ताकि भावी पीढ़ी हमें दोषी नही ठहराए। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को अपनाने की भी आवश्यकता बताई।

राज्यपाल ने कहा कि आज हमारा देश अलग तरीके से सोच रहा है। हमारी संस्कृति काफी पुरानी है और इसे अनेकानेक महापुरूषों ने समृद्ध बनाया है। हमें उनके पद्चिन्हों पर चलने की जरूरत है। उन्होंने हिन्दू संस्कृति की गलतियों को विकृति बताते हुए कहा कि हमें सकारात्मक सोच के साथ आपस में मिलकर इन्हें दूर करना है। उन्होंने कहा कि हम उदात्त विचारों के बल पर एवं दुनिया के लोगों का हृदय जीतकर ही विश्व गुरू बन सकते हैं। भारत को हमें इतना विकसित करना होगा कि यह सोने की चिड़ियाँ नही, बल्कि सोने का शेर बन सके। आगामी 25 वर्षों के अमृत काल में हमें देश को विकसित करने के लिए हरसंभव प्रयास करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने विगत 05 वर्षो में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने संगीत, नृत्य एवं वाद्य वादन की विभिन्न विधाओं एवं खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया। राज्यपाल ने इन्हें राजभवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित भी किया।

कार्यक्रम को शिक्षा मंत्री डॉ० चन्द्रशेखर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० आर०के० सिंह, पटना विश्वविद्यालय एवं नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के कुलपतिगण, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो० गणेश महतो, अधिषद, अभिषद एवं विद्त परिषद् के सदस्यगण, विभिन्न संकायों एवं स्नातकोत्तर विभागों के अध्यक्ष, महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य, विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....